राष्ट्र प्रथम ही मंत्र...

सशक्त, समृद्ध, सुरक्षित भारत

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

जंग मेरी सर्विस के दौरान ही होगी

विषय सूची

अध्याय 1
पेज 5
विदेश नीति: विश्व पटल पर बनी नई पहचान

अध्याय 2
पेज 22
राष्ट्रीय सुरक्षा

अध्याय 3
पेज 37
आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

अध्याय 4
पेज 50
रेड कॉरिडोर से ग्रीन ग्रोथ जोन तक

विश्व देख रहा
अब नया भारत

'राष्ट्र प्रथम' की 12 वर्षीय यात्रा

"

हमारी नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है। ऑपरेशन सिंदूर ने इस नीति को और स्पष्ट कर दिया है। जो भी भारतीयों का खून बहाने की कोशिश करेगा, उसको उसकी भाषा में ही जवाब दिया जाएगा। भारत पर आंख उठाने वाले, किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे।

यह उद्घोष है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का, जो नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी बन चुके हैं। बीते 12 वर्षों में केंद्र सरकार की साहसिक निर्णायक क्षमता ने सिद्ध किया है कि जब देश एकजुट होता है, 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से भरा होता है, तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं और परिणाम लाकर दिखाए जाते हैं। 'राष्ट्र प्रथम' अब केवल भावना नहीं, यह भारत की जीवनधारा बन चुका है।

बदली विदेश नीति, बदली पहचान

2014 से पहले भारत की विदेश नीति 'डिफेंसिव और डिपेंडेंट' की मानसिकता पर चल रही थी। ऐसे में जब 2014 में नरेन्द्र मोदी को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया, तो दुनिया इस उम्मीद में देखती रही कि उनकी विदेश नीति कैसी होगी? उन्होंने भी नए दोस्त बनाने के साथ-साथ पुराने संबंधों को मजबूत किया और 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत को सर्वोपरि रखते हुए भारत की विदेश नीति में नया जोश भरा। इसलिए जो दुनिया कभी पूछती थी- "भारत क्यों?", वही आज कहती है- "भारत क्यों नहीं!' यही है नए भारत की असली पहचान।

विश्व मंच पर नया भारत

रूस-यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविड काल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की

अध्यक्षता, भारत हर मंच पर एक भरोसेमंद वैश्विक नेता के रूप में उभरा है।

संकट के हर पल में भारत पड़ोसियों और दुनिया का पहला मददगार बना। वसुधैव कुटुंबकम की भावना अब शब्दों से निकलकर भारत की हर पहल-प्रयास में दुनिया अनुभूति कर रही है।

रक्षा में आत्मनिर्भरता

कभी हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने वाला भारत आज कई देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। रिकॉर्ड रक्षा निर्यात और सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों में वृद्धि इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक युद्ध तकनीक में भी भारत आगे बढ़ रहा है। आज भारत का एयर डिफेंस सिस्टम उसे दुनिया के सबसे ताकतवर देशों की कतार में खड़ा करता है। इस नए युग में मॉडर्न वारफेयर के बदलते तरीकों के साथ भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है। 'संपूर्ण राष्ट्र' के दृष्टिकोण से राष्ट्र रक्षा की यह नीति नए भारत की असली पहचान है।

आतंक के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस

उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक, और अब ऑपरेशन सिंदूर- हर बार भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया। आज किसी में इतना साहस नहीं कि भारत की एक इंच जमीन पर आंख उठाकर भी देख सके।

आतंक के खिलाफ तीन नई लकीरें खींच दी गई हैं –

पहलाः भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

दूसराः कोई भी परमाणु ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा।

तीसराः आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा।

नक्सल मुक्त भारत - विकास की नई कहानी

केवल सीमा की सुरक्षा नहीं, आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत नया अध्याय लिख रहा है। कई दशक पुरानी नक्सल समस्या एक हिंसक विचारधारा थी, जिसने आदिवासी क्षेत्रों के विकास को रोके रखा था। केंद्र सरकार की सख्त और स्पष्ट नीति ने इस समस्या का अंत कर दिया। संवाद, सुरक्षा और समन्वय की त्रिस्तरीय रणनीति के कारण कल तक जो क्षेत्र रेड कॉरिडोर थे, वे आज ग्रीन ग्रोथ जोन में परिवर्तित हो रहे हैं।

बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने देश का संविधान विजयी हुआ है। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में यह बीते 12 वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक सफलता है। नया भारत नक्सल मुक्त भारत की नई कहानी लिख चुका है।

स्वर्णिम यात्रा जारी है

'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ बीते 12 वर्षों में देश में मान बढ़ा, दुनिया में सम्मान मिला। यह यात्रा निरंतर जारी है और विकसित भारत के सपने के साथ आगे बढ़ रही है। सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत अब सिर्फ सपना नहीं, यथार्थ है।

BR
BRICS Bras

अध्याय 1

विदेश नीति

विश्व पटल पर बनी नई पहचान

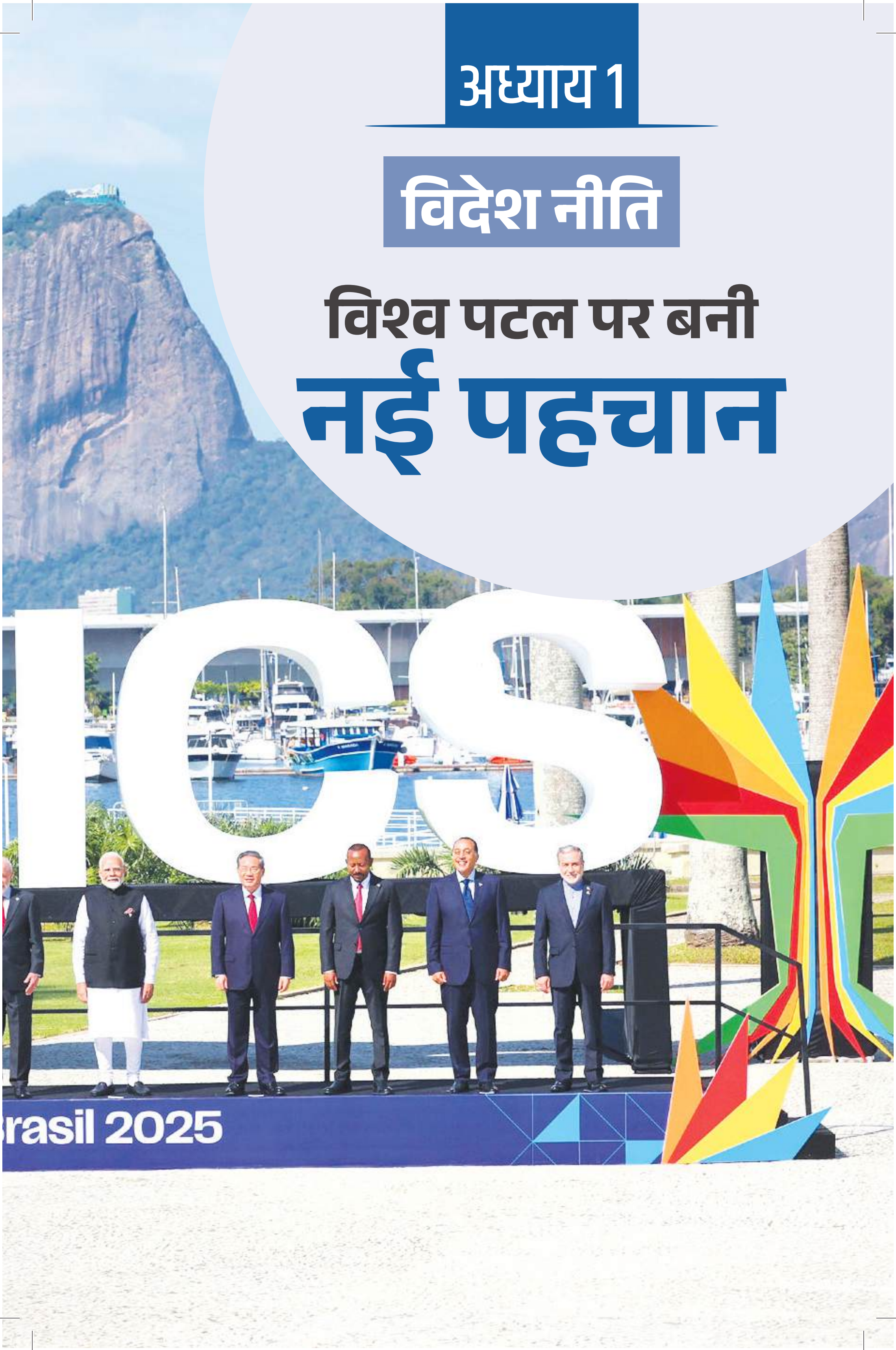

नई दिल्ली G20 शिखर सम्मेलन

नेताओं की घोषणा पर **100%** सहमति बनी

- वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा
- ग्लोबल साउथ में विकासशील देशों का बड़ा चेहरा बना
- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मिली मान्यता
- दुनिया में बढ़ी भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रा मॉडल की मांग
- भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास मॉडल पर मुहर

भारत–न्यूज़ीलैंड FTA

के तहत

100%

टैरिफ श्रेणियों पर शुल्क समाप्त किए गए

भारत–यूरोपीय संघ (EU) मुक्त व्यापार समझौते (FTA)
के तहत भारत के

99%

व्यापार (मूल्य के आधार पर) को शुल्क में रियायतें मिलीं

- भारत–EU FTA के तहत श्रम-प्रधान क्षेत्रों के भारतीय निर्यात को शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा
- लगभग ₹3.2 लाख करोड़ के निर्यात के फायदे की संभावना
- भारतीय श्रम-प्रधान उद्योगों के निर्यात को बड़ी मजबूती मिलेगी
- आईटी और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे
- भारतीय कृषि और डिजिटल भुगतान प्रणालियों का विस्तार होगा

भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA)

के माध्यम से

₹2,850+

लाख करोड़

के अमेरिकी बाजार में भारत को प्राथमिकता के आधार पर अवसर

- भारतीय कृषि उत्पादों को अमेरिकी बाजार में शून्य टैक्स पर प्रवेश मिलेगा
- टेक्सटाइल और लेदर जैसे घरेलू उद्योगों में रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे
- युवाओं के लिए डिजिटल और उन्नत तकनीक क्षेत्रों में व्यापार सुगम होगा

वर्ष 2014 से 2025 के बीच भारत को

₹70+ लाख करोड़

का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

प्राप्त हुआ, जो भारत पर वैश्विक भरोसे को दर्शाता है

- भारत आर्थिक झटकों में भी ज्यादा सुरक्षित हुआ
- महंगाई पर नियंत्रण
- बढ़ा विदेशी निवेशकों का भरोसा क्योंकि भारत है तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

GCC देशों के साथ ₹17 लाख करोड़

का द्विपक्षीय व्यापार हुआ

- इस द्विपक्षीय व्यापार से पड़ोसी देश और क्षेत्रीय संबंध को मिली मजबूती

भारत ने 99 देशों और संयुक्त राष्ट्र की 2 संस्थाओं को

30+ करोड़

कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराई

- वैक्सीन मैत्री से वैश्विक फार्मेसी बना भारत, दुनिया को पहुंचाई मदद

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत को

लगभग ₹13 लाख करोड़ की विदेशी धनराशि (रेमिटेंस) प्राप्त

- भारत दुनिया में सबसे अधिक रेमिटेंस पाने वाला देश बना
- विदेश में काम करने वाले भारतीय परिजनों को जो पैसा भेजते हैं, उसे ही रेमिटेंस कहते हैं
- गांव और छोटे शहरों में आर्थिक गतिविधि बढ़ी

160+ देश

भारत के क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण साझेदारियों का हिस्सा हैं

- नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्र इसमें हैं शामिल

भारत के विविधीकृत ऊर्जा आयात

41 देशों से होते हैं, जिससे वैश्विक झटकों के प्रति रणनीतिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है

बदला भारत, बदली दुनिया में पहचान

ऊर्जा सुरक्षा

देशों से तेल-गैस आयात

41
2026

27
2014

रक्षा निर्यात

रिकॉर्ड

₹38,400+ करोड़

नगण्य

2014
2026

मुक्त व्यापार समझौते

RCEP की राह पर, असंतुलन हावी

38 देशों से

9 बड़े FTA

2014
2026

कूटनीतिक विस्तार

219 मिशन

39 नए दूतावास, वाणिज्य दूतावास

2014-2026

ग्लोबल साउथ नेतृत्व

कोई मंच नहीं — 2014

125 — 2026

विकासशील देशों की साझा चिंता और हितों को लेकर वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट आयोजित किए गए

- व्यापार और निवेश बढ़ाने में वाणिज्य दूतावासों की महत्वपूर्ण भूमिका
- पर्यटन को बढ़ावा देने में भी योगदान

- 'ग्लोबल साउथ' की आवाज बनने से अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ा
- संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर मिला कूटनीतिक लाभ
- भारत एक जिम्मेदार और भरोसेमंद वैश्विक नेता के रूप में उभरा
- गरीबी, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसी साझा समस्याओं के सामाधान में भारत की आवाज का महत्व बढ़ा

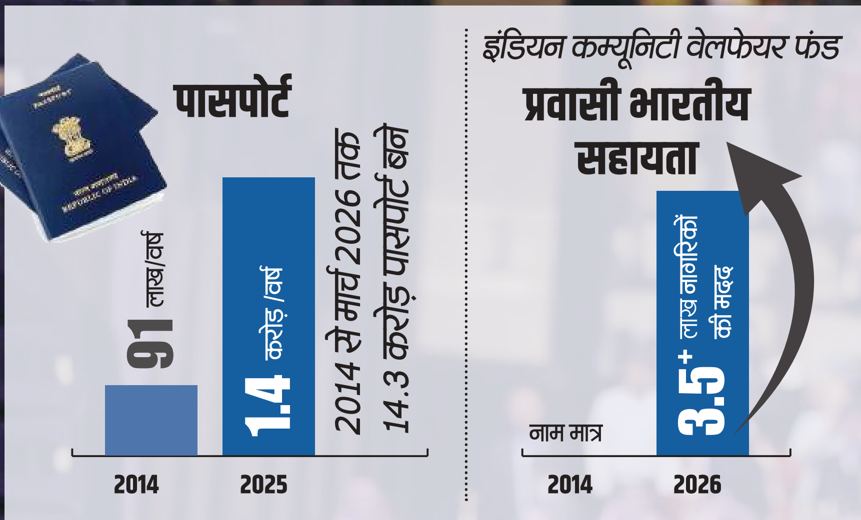

12 वर्षों में भारत विश्व मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरा

> वैश्विक तनाव, व्यापारिक बाधाओं और बदलती सप्लाई चेन के दौर में भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक बनकर उभरा है।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रगति के पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

एक्ट ईस्ट नीति

ASEAN
देशों और अन्य पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को और मजबूत किया

रणनीतिक साझेदारियां

वैश्विक झटकों, युद्धों और महामारी के दौरान भारत के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की

सप्लाई चेन संकट का सामना

वैश्विक सप्लाई चेन संकट के बीच भारत के विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाकर चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया

ऐतिहासिक अमेरिका साझेदारी

व्यापार समझौतों के माध्यम से रक्षा और तकनीकी सहयोग को नई मजबूती मिली

रूस के साथ विकसित होते संबंध

ऊर्जा विविधीकरण और रणनीतिक व्यापारिक संबंधों के जरिए साझेदारी को नई दिशा दी

चीन के प्रति दृढ़ रुख

सीमा और व्यापार दोनों मामलों में 'इंडिया फर्स्ट' नीति को प्राथमिकता दी

पाकिस्तान को घेरने की रणनीति

सैन्य अभियानों और आतंकी संगठनों की वित्तीय आपूर्ति पर सख्ती से कार्रवाई की

- ऑपरेशन सिंदूर की जीत भारत के शौर्य का प्रतीक

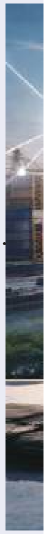

G20 में सफलता

विभाजित वैश्विक व्यवस्था में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका

- प्रमुख देशों को एक मंच पर लाने में सफलता

G20 भारत 2023 INDIA

मध्य पूर्व में नई शुरुआत

इजराइल और खाड़ी देशों के साथ नई साझेदारियां स्थापित की

हर भारतीय की सुरक्षा

युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई

आर्थिक कूटनीति

रिकॉर्ड **FDI**, बढ़ते निर्यात और नए व्यापार समझौतों के माध्यम से आर्थिक संबंधों को मजबूत किया

विदेशों में भारतीयों के लिए अवसर

वर्ष 2014 से 2025 के बीच

19

माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौतों पर हस्ताक्षर

- युवाओं और कुशल भारतीय प्रतिभाओं के लिए वैश्विक अवसर बढ़े

भारत का रणनीतिक आधार हुआ मजबूत

हॉर्मुज संकट (2026)

संकट के दौरान भारत ने कूटनीति से तेल आपूर्ति सुरक्षित रखी और घरेलू ऊर्जा स्थिरता बनाए रखी

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता (2026)

अमेरिका के साथ टैरिफ घटे और लगभग ₹48 लाख करोड़ व्यापार का लक्ष्य तय हुआ

भारत-EU व्यापार समझौता (2026)

यूरोपियन यूनियन के साथ बड़ा **FTA**, जिससे किसानों और उद्योगों को लाभ मिला

ऊर्जा सुरक्षा

रूस से तेल आयात बढ़ाकर कीमतों को स्थिर रखा गया

आतंकवाद पर सख्त रुख

भारत की कार्रवाई को वैश्विक स्तर पर स्वीकृति और समर्थन मिला

AI नेतृत्व

92 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इंडिया AI इम्पैक्ट समिट घोषणा 2026 का समर्थन किया

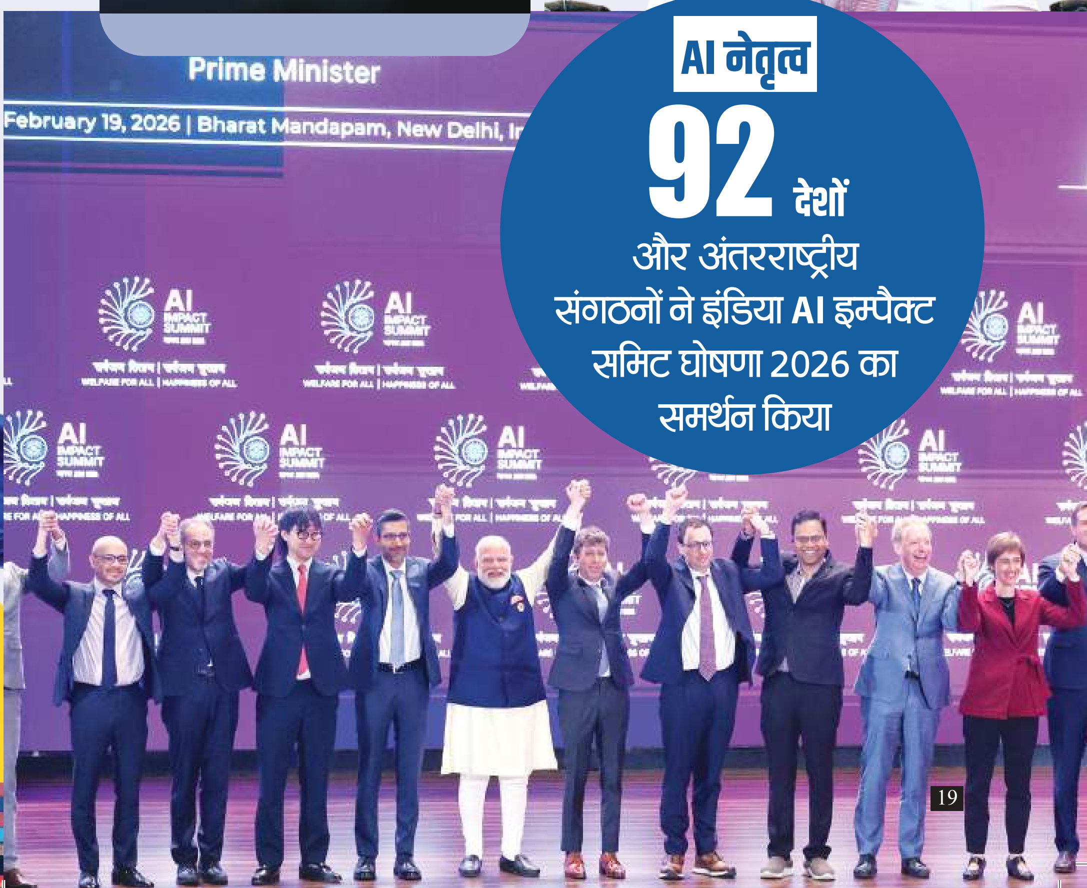

वैश्विक प्रभाव

Shanghai Cooperation Organisation, Wassenaar Arrangement और **Australia Group** में भारत की भूमिका मजबूत हुई

पड़ोसी सहयोग

भूटान, नेपाल और श्रीलंका को बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता दी गई

मल्टी-अलाइनमेंट नीति

भारत **BRICS**, **QUAD** और **SCO** के साथ संतुलित रणनीति अपनाता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब तक दुनिया के

32 सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं

उन्होंने 16 देशों की संसद को संबोधित किया

हमारी सेनाओं के पास क्षमता भी है और रणनीति भी। अगर कोई हम पर हमला करने की कोशिश करता है, तो हमारी तीनों सेनाएं दुश्मनों को उसी की भाषा में करारा जवाब देना अच्छी तरह जानती हैं।"

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अध्याय 2

राष्ट्रीय सुरक्षा

प्रमुख उपलब्धियां

36,000+

रक्षा उत्पादों की पहचान की गई जिनका बड़े पैमाने पर भारत में निर्माण किया जाना है

- 12,000+ उत्पादों का निर्माण देश में पहले ही शुरू हो चुका है

ब्रह्मोस एयरोस्पेस का

₹5,200 करोड़

राजस्व (वित्त वर्ष-2025-26) मिला

- लगभग ₹4,000 करोड़ के निर्यात का ऑर्डर

लगभग

₹48,000 करोड़

का रक्षा सौदा

- विदेश से 83 तेजस Mk1A लड़ाकू विमान की खरीद का ऑर्डर मिला
- अब तक का सबसे बड़ा स्वदेशी फाइटर विमान ऑर्डर है

ऑपरेशन सिंदूर में

100+ आतंकी और **9** आतंकी ठिकाने तबाह किए गए

41 ऑर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड को 7 DPSUs में पुनर्गठित किया गया

₹16,000 करोड़

से ज्यादा का लाभ हुआ

भारत अब A-SAT मिसाइल क्लब का हिस्सा

283 किमी

ऊंचाई पर 3 मिनट में लक्ष्य भेदने की क्षमता

- मिशन शक्ति से भारत ने दुश्मन के सैटेलाइट को खत्म करने की अचूक क्षमता विकसित की

करीब

₹27,000 करोड़

की लागत से तैयार किया गया 52 रक्षा सैटेलाइट सिस्टम

- दुश्मनों पर रखी जा रही है पैनी नजर

लगभग

₹8 लाख करोड़

का वित्त वर्ष 2026-27 रक्षा बजट, 2013-14 की तुलना में लगभग तीन गुना की वृद्धि

प्रगति पथ पर अग्रसर....

12 वर्ष की यात्रा

रक्षा निर्यात

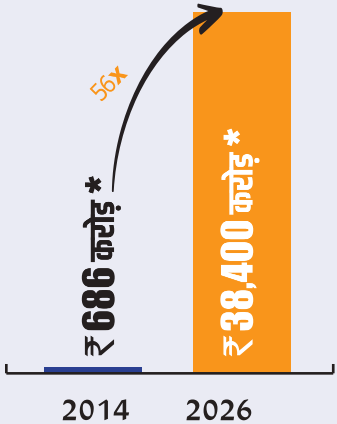

रक्षा बजट

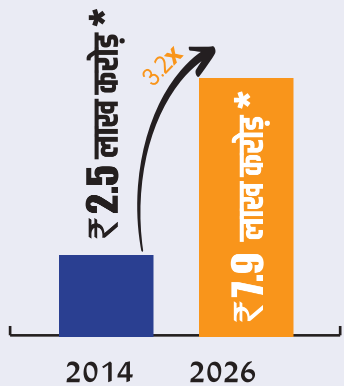

रक्षा उत्पादन

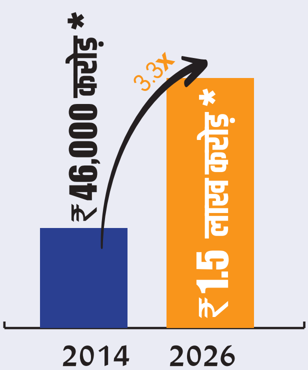

गोला-बारूद उत्पादन (आत्मनिर्भरता)

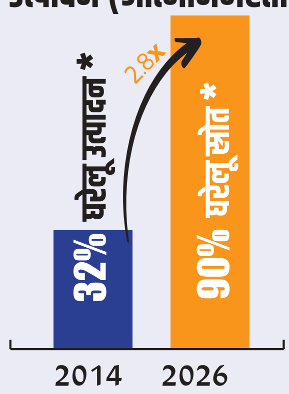

** नोट : आंकड़े अनुमानित संख्या में हैं*

डिफेंस स्टार्टअप्स

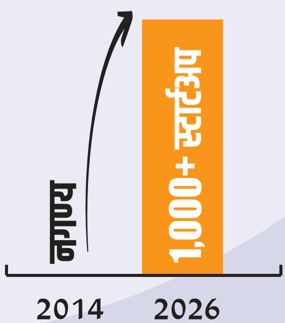

महिलाओं की भागीदारी

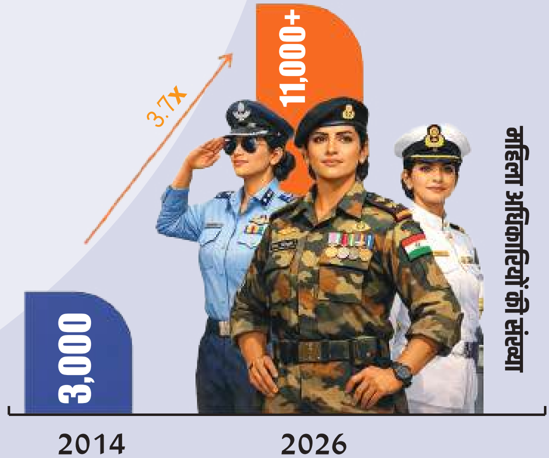

सीमा सड़क संगठन (BRO) का विस्तार

2026

अब

लगभग **6,800** किमी सड़कें
14,500 मीटर पुल,
6 सुरंगें चालू और
19 निर्माणाधीन

2014

तब

करीब **3,600** किमी सड़कें
7,300 मीटर पुल
1 सुरंग

रणनीतिक सीमा इंफ्रास्ट्रक्चर

अटल टनल और जोजिला टनल से हर मौसम में लद्दाख तक कनेक्टिविटी

परमाणु ऊर्जा मिशन

₹ 20,000 करोड़ (वित्त वर्ष 2025–26) से स्वदेशी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर पर काम

INS विक्रांत

भारत का पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर, नौसैनिक शक्ति की ताकत बढ़ी

स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम

आकाश-**NG** और **QRSAM** के सफल ट्रायल से मजबूत हुआ रक्षा कवच

घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा

कैपेक्स का 75% खर्च घरेलू रक्षा उत्पादों पर होगा

VSHORADS सिस्टम

नैनो ड्रोन और लो-एल्टीट्यूड खतरों के खिलाफ स्वदेशी क्षमता विकसित

पूर्वोत्तर शांति समझौते

12 समझौतों से पूर्वोत्तर में दशकों पुराना उग्रवाद लगभग समाप्त

इंपोर्ट सब्सीट्यूशन नीति

5,500+ रक्षा वस्तुएं आयात सूची से बाहर, स्वदेशी को बढ़ावा

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

₹ 75,000 करोड़ का रणनीतिक विकास (पोर्ट, एयरपोर्ट, पावर हब)

न्यूक्लियर ट्रायड मजबूत

भारत की दूसरी स्वदेशी परमाणु संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी INS अरिघात रक्षा बेड़े में शामिल

- देश अब, हमले को झेलने और फिर सशक्त जवाबी कार्रवाई में हुआ सक्षम

नाभिकीय ऊर्जा में बड़ी छलांग

अप्रैल 2026 में कलपक्कम प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (PFBR) ने क्रिटीकेलिटी हासिल की

- ₹ 20,000 करोड़ के परमाणु ऊर्जा मिशन में स्वदेशी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) पर तेज गति से चल रहा है काम

संयुक्त थिएटर कमांड सुधार

तीनों सेनाओं का इंटीग्रेशन हुआ तेज

- इंटीग्रेटेड थियेटर कमांड से समन्वय और ज्वाइंट ऑपरेशन की ताकत अब कई गुना बढ़ी

स्वदेशी रक्षा की ताकत साबित

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश सिस्टम, आकाशतीर और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे स्वदेशी सिस्टम का सफल प्रदर्शन

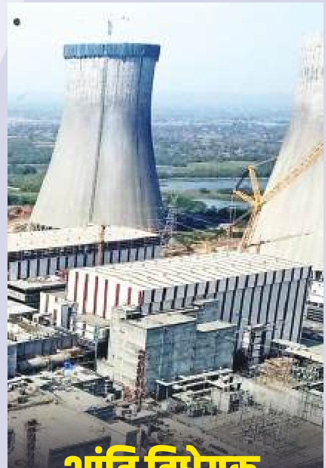

शांति विधेयक, 2025 संसद ने किया पास

- परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों के नए द्वार खुलेंगे
- रिसर्च में सीमित एवं सशर्त निजी भागीदारी की अनुमति दी जा सकती है
- परमाणु ऊर्जा प्रदूषण कम करती है
- कोयले और तेल पर निर्भरता कम करती है
- स्वास्थ्य सेवा, कृषि और खाद्य संरक्षण जैसे नए क्षेत्रों के विकास में सहायक होगी

न्यायिक सुगमता का
नया युग

19वीं सदी में बने अंग्रेजी शासनकाल के कानूनों से मुक्ति मिली... 21वीं सदी के सबसे बड़े रिफॉर्म के बाद भारत को अपना कानून मिला है... जिसमें है- न्याय, समानता और निष्पक्षता का मूल मंत्र... सही अर्थों में यह नए भारत की आत्मा एवं संविधान के सिद्धांतों का प्रकटीकरण है

दंड नहीं, न्याय देना उद्देश्य

- 150 वर्ष पुराने अंग्रेजी काल में बने कानूनों से आजादी
- इन कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देशभर में किसी भी **FIR** में सुप्रीम कोर्ट तक लगभग 3 साल में न्याय मिलेगा
- नए कानूनों में जांच पूरी करने, चार्जशीट दाखिल करने, चार्ज फ्रेम करने और जजमेंट देने का समय भी तय
- 7 साल और उससे अधिक सज़ा वाले हर अपराध में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया है

आतंकवाद, संगठित अपराध पर सख्ती

भारतीय न्याय संहिता, 2023 में संगठित अपराध, आतंकवाद पर सख्ती का प्रावधान किया गया है

भारतीय न्याय संहिता

358

धाराएं अब भारतीय न्याय संहिता में हैं

- पहले आईपीसी, 1860 में 511 धाराएं थीं

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

531

धाराएं हैं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में, पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 में 484 थीं

- 177 प्रावधानों में किया गया है बदलाव

भारतीय साक्ष्य अधिनियम

170

प्रावधान हैं भारतीय साक्ष्य अधिनियम में

- पूर्व के अधिनियम में 167 थे
- 24 प्रावधानों में बदलाव किया गया है

भारतीय न्याय संहिता, 2023

करीब दो दर्जन धाराओं में न्यूनतम सजा तय

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023

समय पर न्याय

भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023

टेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा

डिजिटल प्रक्रिया के साथ समयबद्ध न्याय

01.07.2024 से 30.04.2026 की अखिल भारतीय उपलब्धियां

समय सीमा + तकनीक = भरोसा

63+ लाख

BNS के तहत FIR

लगभग

52 लाख

चार्जशीट/Final Report

59,572

कुल Zero FIR दर्ज

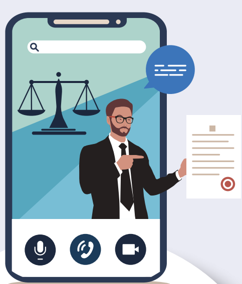

35+

लाख

ई-साक्ष्य के माध्यम से साक्ष्य ID निर्मित

60 दिन में चार्जशीट/ **Final Report** अनुपालन दर

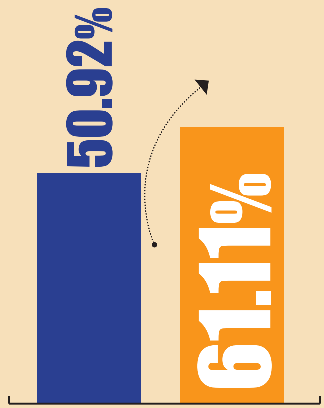

90 दिन में चार्जशीट/ **Final Report** अनुपालन दर

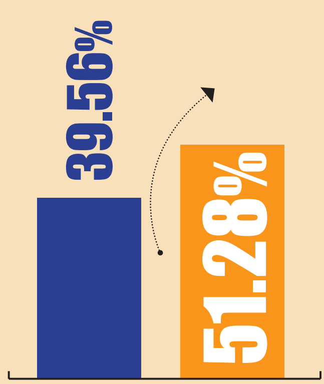

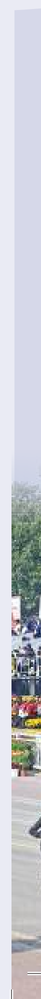

यौन अपराधों में दो महीने के भीतर चार्जशीट दाखिल करने की अनुपालना दर

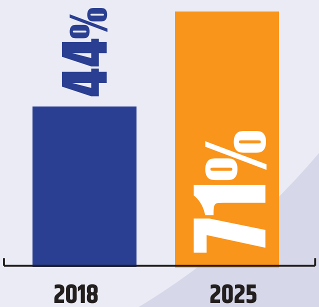

फॉरेंसिक क्षमता-विस्तार

7+ वर्ष

गंभीर अपराध
फॉरेंसिक विशेषज्ञ की भूमिका को अनिवार्य/महत्वपूर्ण आधार

16
NFSU प्रस्तावित/संचालित
9 स्थापित + 7 अतिरिक्त स्वीकृत

15
CFSL प्रस्तावित/संचालित
7 स्थापित + 8 अतिरिक्त स्वीकृत

कर्तव्य पथ पर झांकी... दंड से न्याय की ओर

अध्याय 3

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

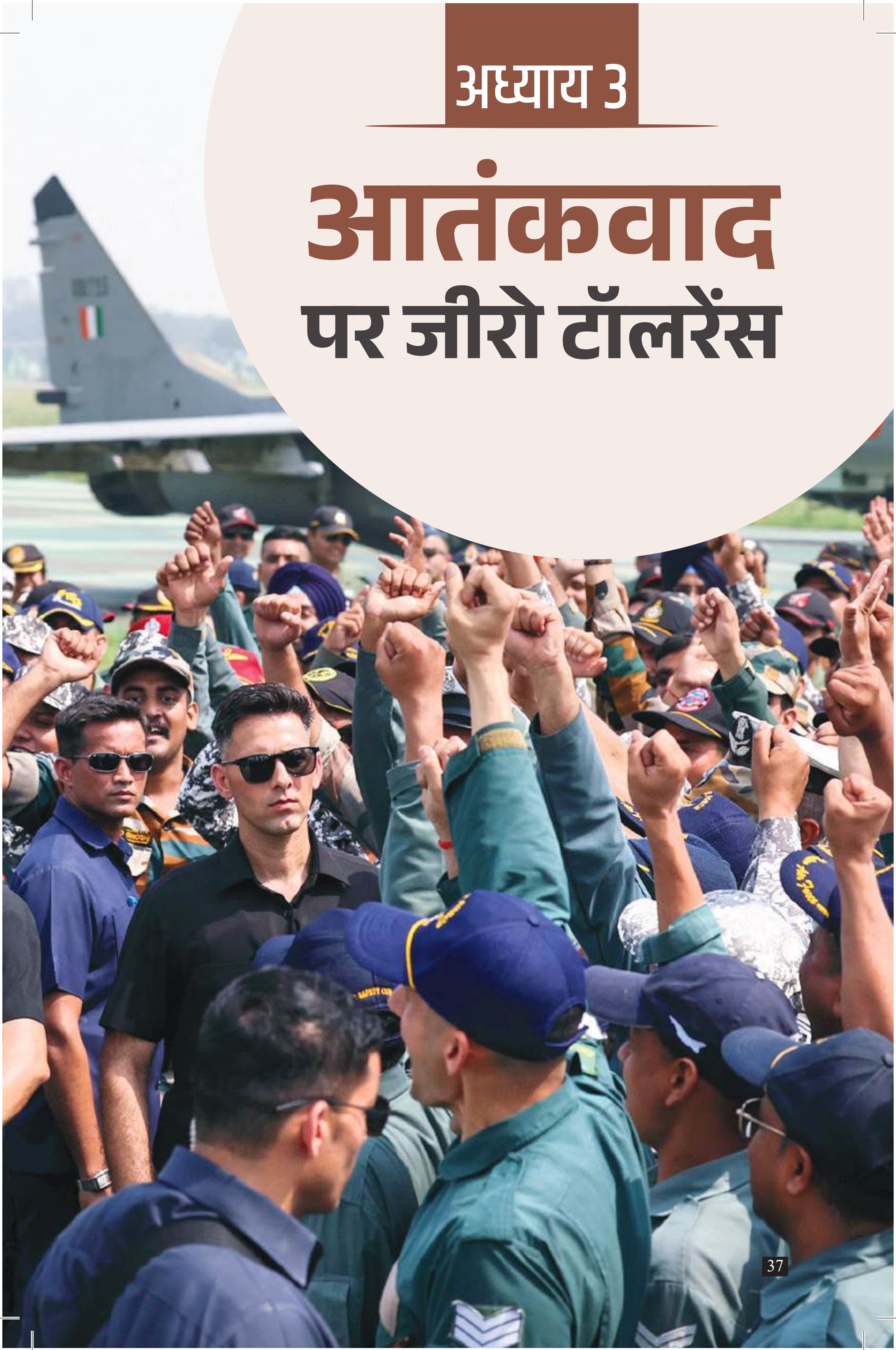

“

आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद और व्यापार साथ नहीं चल सकते। पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रमुख उपलब्धियां

9 आतंकी कैंप नष्ट

11 सैन्य ठिकानों पर सटीक प्रहार

जम्मू-कश्मीर में संगठित हड़ताल/बंद पूरी तरह समाप्त

0 हुई जम्मू-कश्मीर में 2023 से अप्रैल 2026 तक संगठित पत्थरबाजी

- हालात सामान्य होने पर पर्यटन बढ़ा
- होटल, टैक्सी, दुकानदार और स्थानीय लोगों की आय बढ़ी
- स्कूल-कॉलेज नियमित खुलने से छात्रों को अधिक अवसर मिले
- निवेश प्रस्ताव बढ़े, व्यापार और रोजगार में सुधार हुआ

NIA की

92%

से अधिक रही सजा दर

- दुनियाभर की आतंकवाद-रोधी एंजेसियों में शीर्ष पर

पूर्वोत्तर में उग्रवाद में

82%

कमी

₹18,000+ करोड़

औद्योगिक निवेश जम्मू-कश्मीर में (2014 से)

- नई सुरंगें और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर से यात्रा और व्यापार आसान हुआ
- स्वास्थ्य पर निवेश से सुविधाओं में सुधार
- स्वरोजगार और कौशल विकास योजनाएं शुरू हुईं
- पर्यटन स्थलों का विकास, होटल और परिवहन सुविधाएं बेहतर हुईं
- स्कूल, कॉलेज और तकनीकी संस्थानों में निवेश बढ़ा

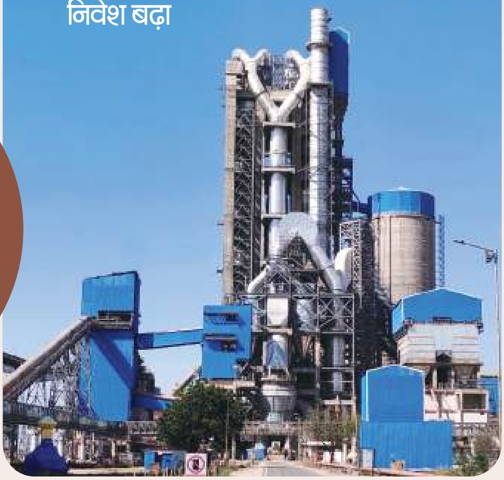

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी वायु सेना ढांचे को

20% नुकसान

पूर्वोत्तर में

12

शांति समझौते

आतंकवाद विरोधी सहयोग के तहत

27

देशों से साझेदारी

राष्ट्र सुरक्षा की नई नीति

2014 (तब) Vs 2026 (अब)

J&K में आतंकी घटनाएं

7,200+ घटनाएं — तब (2004–2014)

2,407 घटनाएं — अब (2014–2025)

सीमा पार कार्रवाई क्षमता

सीमा पार कोई जवाबी कार्रवाई नहीं हुई
2014 (तब)

सर्जिकल स्ट्राइक (2016), बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019), ऑपरेशन सिंदूर (2025)
2026 (अब)

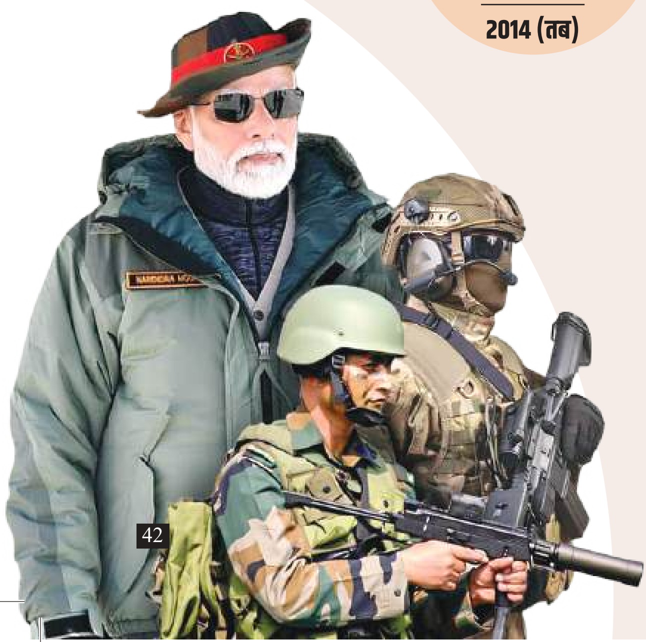

पत्थरबाजी का अंत

2,600+ घटनाएं (2010) — 2014

घटनाएं 0 — 2025

राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा

बिखरी हुई व्यवस्था
2014

मिशन सुदर्शन चक्र
एकीकृत सुरक्षा प्रणाली विकसित करने की शुरुआत हुई
2026

नीति में बदलाव (New Normal)

2014 : हमलों के बाद केवल कूटनीतिक पत्राचार

2026 : निर्णायक और त्वरित जवाबी कार्रवाई, किसी तरह की परमाणु हमले की ब्लैकमेलिंग बर्दाश्त नहीं

पहली राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी रणनीति

2014 कोई एकीकृत नीति नहीं

2026 PRAHAAR
राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी रणनीति लागू

जल सुरक्षा नीति

तब: आतंकी घटनाओं के बाद भी इंडस वाटर ट्रीटी जारी

अब: इंडस वाटर ट्रीटी को स्थगित किया गया

संगठित बंद/हड़ताल

प्रगति पथ पर अग्रसर...
12 वर्ष की यात्रा

बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019)

पाकिस्तान के भीतर घुसकर जैश के आतंकी कैंपों पर पहली एयर स्ट्राइक

अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी (2019)

कश्मीर में आतंक के ढांचे को समाप्त कर J&K का पूर्ण एकीकरण

उरी सर्जिकल स्ट्राइक (2016)

भारतीय सेना ने LoC पार कर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया

हिंसा में भारी गिरावट

J&K में लगभग

69%

हिंसा में कमी

नागरिक मौतों में

81%

गिरावट

पाकिस्तान को किया अलग-थलग

FATF के ग्रे लिस्ट में डालने का दबाव बनाया

- आतंक के समर्थन पर कूटनीतिक अलगाव

सख्त UAPA कानून

आतंकियों और उनके फंडिंग नेटवर्क पर मजबूत कार्रवाई

मजबूत सीमाएं

लगभग

93%

(2,100+ किमी)
भारत–पाक सीमा
की फेंसिंग

आतंकी घटनाओं में

95%

की कमी

2018	228
2025	12

पाकिस्तान के अंदर और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना ने कार्रवाई की

निर्णायक सुरक्षा नीति

पाकिस्तान की धरती पर स्ट्राइक

50 वर्षों

में पहली बार भारतीय सेना की कार्रवाई

- पाकिस्तान के भीतर तक पहुंची मिसाइलें
- जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने नष्ट किए गए

नई सीमित स्ट्राइक नीति

अब भारत की नीति साफ है

- आतंक के जवाब में तेज, सटीक और सीमित सैन्य कार्रवाई से दुश्मनों को साफ संदेश मिल गया है कि हर हमले का जवाब तय है

नई राष्ट्रीय सुरक्षा परिभाषा

- आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों को भी जिम्मेदार माना जाएगा
- हर आतंकी हमला अब "युद्ध की कार्रवाई"
- मिलेगा निर्णायक जवाब

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक मंचों पर जीरो टॉलरेंस

G20, SCO, UN हर मंच पर भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक रुख अपनाया

आतंकवाद निरोधी सम्मेलन-2024

NIA और गृह मंत्रालय द्वारा नवंबर 2024 में दो दिवसीय 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन-2024' आयोजित किया गया

- यह सम्मेलन कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञों के लिए एक प्रभावी मंच बना

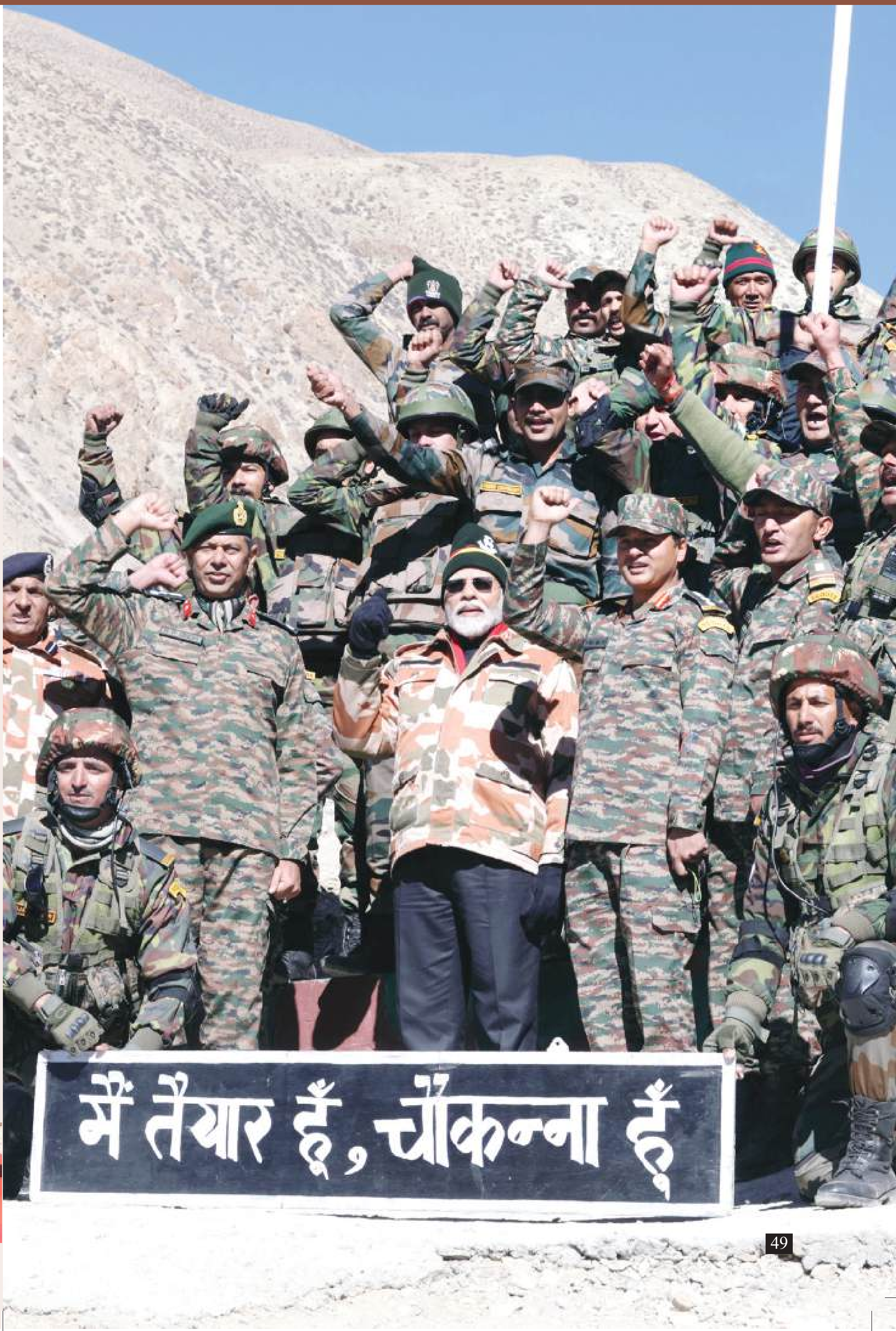
मैं तैयार हूँ, चौकन्ना हूँ

अध्याय 4

नक्सल-मुक्त भारत की नई कहानी

रेड कॉरिडोर से ग्रीन ग्रोथ जोन तक

नक्सल क्षेत्रों में करीब

15,100+

किमी

सड़कें निर्मित

करीब

₹4,000

करोड़

विशेष केंद्रीय सहायता

(2017 से)

9,600+

मोबाइल टावर

से दूरसंचार कनेक्टिविटी मजबूत

लगभग

₹3,700 करोड़

ऑपरेशन, प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए आवंटित

6,000+

डाकघर

बैंकिंग सेवाओं के साथ शुरू

लगभग

1,800

बैंक शाखाएं

खोलकर वित्तीय पहुंच बढ़ाई गई

करीब

360

नक्सली

मारे गए (2025)

663

फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन

बनाए गए

2014 (तब) Vs 2026 (अब)

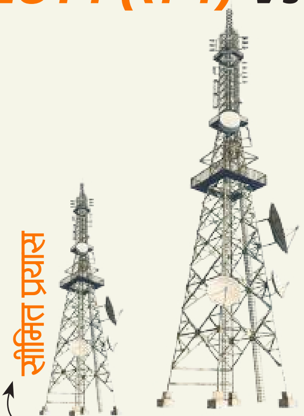

मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार

(मोबाइल टावर स्थापित)

सीमित प्रयास — 2014

9,600+ — 2026

रेड कॉरिडोर का अंत

LWE प्रभावित जिले

126 — 2014

0 — 2026

सुरक्षा व्यय में वृद्धि

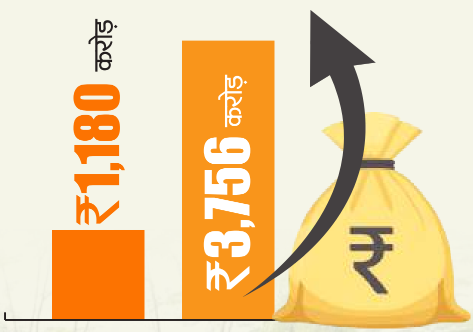

सड़क नेटवर्क का विस्तार

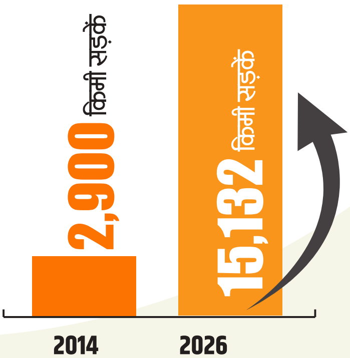

फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन

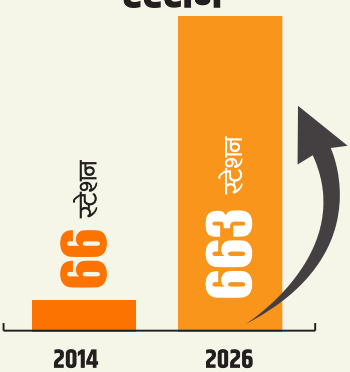

शिक्षा में बदलाव (एकलव्य मॉडल स्कूल)

(स्कूल स्वीकृत)

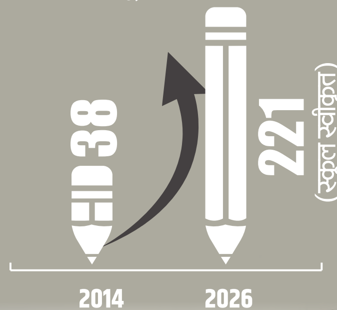

नक्सल आत्मसमर्पण में बदलाव

(नक्सली समर्पण)

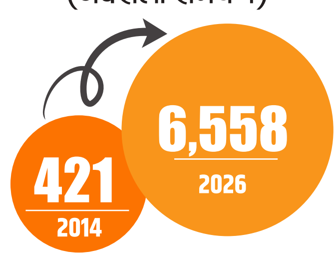

प्रगति पथ पर अग्रसर...

12 वर्ष की यात्रा

इतिहास बदलने वाला परिणाम

12 वर्षों में

वह हासिल हुआ जो दशकों तक असंभव माना जाता था

- नक्सलवाद का पूर्ण अंत हो चुका है और भारत अप्रैल 2026 तक पूरी तरह नक्सल-मुक्त बन चुका है

नक्सल पर प्रहार

2023 से अब तक

750+

नक्सली मारे गए

3,150+

नक्सली गिरफ्तार हुए

4,800+

नक्सलियों का आत्मसमर्पण

SAMADHAN रणनीति का असर

सुरक्षा + विकास मॉडल से दशकों पुरानी नक्सली चुनौती में बड़ी गिरावट

रेड जोन खत्म

50+ वर्षों

में पहली बार भारतीय मुख्यभूमि में कोई नक्सल-नियंत्रित क्षेत्र नहीं बचा

- 2024–26 में अंतिम गढ़ भी ध्वस्त कर दिए गए

विकास की वापसी

70 वर्षों

तक उपेक्षित गांवों में अब सड़क, 4G, स्कूल और बुनियादी ढांचा

- विकास अब सुरक्षा के पीछे नहीं, उसके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है

नक्सल-मुक्त हुआ नया भारत

अप्रैल 2026 में नक्सल प्रभावित जिले हुए शून्य

रेड टेरर का अंत

पशुपति से तिरुपति तक फैला रेड कॉरिडोर पूरी तरह समाप्त

- मध्य भारत दशकों के भय और हिंसा से आजाद

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट

तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सीमा में 50 किलोमीटर लंबी और 37 किलोमीटर चौड़ी एक पहाड़ी पर वर्ष 2025 में चला

प्रमुख ऑपरेशन एवं उपलब्धियां

2024

कुल 290 नक्सली मारे गए (छत्तीसगढ़ में एक वर्ष में सर्वाधिक नक्सली मारे गए) 1,090 गिरफ्तारियां, 881 आत्मसमर्पण

2025

करेगुट्टा हिल्स ऑपरेशन – 21 दिनों में 31 कुख्यात नक्सली ढेर, एक भी जवान शहीद नहीं

- PLGA बटालियन का मुख्यालय नष्ट

1022 गिरफ्तार, 2,337 ने आत्मसमर्पण किया– 5 पोलित ब्यूरो सदस्य मुख्यधारा में लौटे और 11 मारे गए

2026

भारत नक्सल मुक्त घोषित – MHA ने सभी राज्यों को सूचित किया, अप्रैल 2026 से कोई जिला LWE प्रभावित नहीं

30 मार्च 2026 को लोकसभा में नक्सल मुक्त भारत का ऐलान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब विकास के गीत हैं।
जहां खौफ की रातें थीं, वहां अब उम्मीदों की किरणें हैं।
जहां जंगलों में सन्नाटा था, वहां आज जीवन मुस्कुरा रहा है।
भारत आज अपने साहस और संकल्प से
नया इतिहास रच रहा है।

30 मार्च 2026 को संसद में गूंजी ये पंक्तियां भारत में नक्सलवाद के खात्मे और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है। जहां कभी बंदूकें थीं, वहां आज रोजगार है, जहां डर व अंधकार था, वहां आज विकास का उदय हो रहा है।

"मेरी सरकार, मेरे देशवासियों का मान एक बात से जुड़ा हुआ है, हमारे हर निर्णय, हमारी हर दिशा, उसका एक ही मानदंड है Nation First... राष्ट्र प्रथम यही दूरगामी परिणाम, सकारात्मक परिणाम पैदा करने वाला है।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

गर्व का क्षण... स्वदेशी क्षमता से निर्मित लड़ाकू विमान तेजस में पीएम मोदी की उड़ान

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

मुद्रक : मैसर्स ऐजुकेशनल स्टोर्स, गाजियाबाद (उ.प्र.)